CLASS-7

वर्ग सप्तम

दिनांक 1 अप्रैल 2020

निम्नलिखित मुहावरे अर्थ के साथ याद करें तथा एक एक वाक्य बनाएं 1.अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना – स्वयं अपनी प्रशंसा करना

1.अच्छे आदमियों को अपने मुहँ मियाँ मिट्ठू बनना शोभा नहीं देता।

2.अक्ल चरने जाना – समझ का अभाव होना

इतना सी बीत भी समझ नहीं सके क्या अक्ल चरने गई है।

3.अपने पैरों पर खड़ा होना – स्वालंबी होना

युवकों को अपने पैरों पर खड़े होने पर ही विवाह करना चाहिए।

4.अक्ल का दुश्मन – मूर्ख

राम तुम मेरी बात क्यों नहीं मानते, लगता है आजकल तुम अक्ल के दुश्मन हो गए हो।

5.अपना उल्लू सीधा करना – मतलब निकालना

आजकल के नेता अपना उल्लू सीधा करने के लिए ही लोगों को भड़काते है।

6.अंगारों पर लेटना – दुःख सहना

वह उसकी तरक्की देखते ही अंगारों पर लोटने लगा। मैं जीवन भर अंगारों पर लोटता रहा हूँ।

7.अँगूठा दिखाना – समय पर धोखा देना

अपना काम तो निकाल लिया, पर जब मुझे जरूरत पड़ी, तब अँगूठा दिखा दिया। भला, यह भी कोई मित्र का लक्षण है।

8.अँचरा पसारना – माँगना, याचना करना

प्रयोग – हे देवी मैया, अपने बीमार बेटे के लिए आपके आगे अँचरा पसारती हूँ।

उसे भला-चंगा कर दो, माँ।

9.अण्टी मारना – चाल चलना

प्रयोग – ऐसी अण्टीमारो कि बच्चू चारों खाने चित गिरें।

10.अण्ड-बण्ड कहना – भला-बुरा या अण्ट- सण्ट कहना

प्रयोग – क्या अण्ड-बण्ड कहे जा रहे हो। वह सुन लेगा, तो कचूमर ही निकाल छोड़ेगा।

11.अन्धाधुन्ध लुटाना – बिना विचारे व्यय

प्रयोग – अपनी कमाई भी कोई अन्धाधुन्ध लुटाता है।

12.अन्धा बनना – आगे-पीछे कुछ न देखना

प्रयोग – धर्म से प्रेम करो, पर उसके पीछे अन्धा बनने से तो दुनिया नहीं चलती।

13.अन्धा बनाना – धोखा देना

मायामृग ने रामजी तक को अन्धा बनाया था। इस माया के पीछे मौजीलाल अन्धे बने तो क्या।

14.अन्धा होना – विवेकभ्रष्ट होना

अन्धे हो गये हो क्या, जवान बेटे के सामने यह क्या जो-सो बके जा रहे हो

15.अन्धे की लकड़ी – एक ही सहारा

भाई, अब तो यही एक बेटा बचा, जो मुझे अन्धे की लकड़ी है। इसे परदेश न जाने दूँगा।